पुरातन छात्र समिति उपवेशन

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

प्रतिपुष्टि हेतु छात्र प्रतिबोधन

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, भारत
8254+R53, Girja Ghar Chauraha, Girja Ghar, Sidhgiribagh, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, भारत
Lat 25.309515°
Long 83.005459°
24/12/23 12:28 PM GMT +05:30
Google

विविध उद्योगपतियों से माननीय कुलपति महोदय का संवाद

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

परिसर में संसाधनों, उम्मीदों और चुनौतियों पर की गई चर्चा

संस्कृत विवि को उद्यमियों ने दिए 31 लाख रुपये

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार को जुटे 31 उद्यमियों ने संस्था के लिए दान किए 31 लाख रुपये।

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। 234 वर्ष पुराने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए शहर के प्रमुख उद्यमी आगे आए हैं। सोमवार को मकर [illegible] 31 उद्यमियों ने एक- [illegible] ये की धनराशि देकर [illegible] के उत्थान के लिए 31 [illegible] जुटाए। इस दौरान [illegible] विकास समिति का भी [illegible] या।

[illegible] संस्कृत विश्वविद्यालय [illegible] परिसर में सोमवार को जिले के प्रमुख उद्यमियों के साथ कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा की बैठक हुई। बैठक में महापौर अशोक तिवारी भी थे। कुलपति ने उद्यमियों के सामने 234 वर्ष पुराने विश्वविद्यालय के संसाधनों, भविष्य की उम्मीदों और चुनौतियों पर चर्चा की। उद्यमियों ने संस्था की मदद के लिए हाथ बढ़ाया।

02 सौ 34 साल पुराना है विश्वविद्यालय का इतिहास

13 उद्यमियों ने बैठक में विमर्श के बाद जुटाई धनराशि

- बैठक में विश्वविद्यालय विकास समिति का भी किया गया गठन
- महापौर ने परिसर में हाईमास्ट लगवाने का दिया आश्वासन

मकर संक्रांति के पर्व पर सभी ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि विश्वविद्यालय के लिए दान की।

कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि बैठक में इस संस्था के पुनरुद्धार के लिए सभी ने एक स्वर में धर्म भावना से धन जुटाने के साथ केंद्र और राज्य सरकार से सामंजस्य स्थापित करके इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने का संकल्प लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अभ्युदय एवं उत्थान के लिए 'विश्वविद्यालय विकास समिति' का गठन भी किया गया। समिति के स्वरूप और कार्यों को तय करने के लिए जल्द ही उद्यमियों के साथ डीन और अधिकारियों की बैठक होगी।

इस दौरान महापौर अशोक तिवारी ने परिसर में हाईमास्ट लाइट लगाने के साथ अन्य सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन दिया। बैठक में आरके चौधरी, अशोक अग्रवाल, आरसी जैन, मनीष तलवार, जयशंकर शर्मा, पवन बुधिया, राजीव माहेश्वरी, वेद अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राहुल दीवान, राम अवतार अग्रवाल, प्रेम मित्र, अभिनव पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

संविवि के उत्थान को आगे आए शहर के उद्यमी

» मकर संक्रांति पर्व पर 31 उद्यमियों ने विश्वविद्यालय के विकास में दिये 31 लाख

वाराणसी (रणभेरी सं.)। 234 वर्ष पुराने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए शहर के प्रमुख उद्यमी आगे आए हैं। सोमवार को मकर संक्रांति पर्व पर 31 उद्यमियों ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि देकर विश्वविद्यालय के उत्थान के लिए 31 लाख रुपये जुटाए। इस दौरान विश्वविद्यालय विकास समिति का भी गठन किया गया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पंचमंदिर परिसर में सोमवार को जिले के प्रमुख उद्यमियों के साथ कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा की बैठक हुई। बैठक में महापौर अशोक तिवारी भी थे। कुलपति ने उद्यमियों के सामने 234 वर्ष पुराने विश्वविद्यालय के संसाधनों, भविष्य की उम्मीदों और चुनौतियों पर चर्चा की। उद्यमियों ने संस्था की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। मकर संक्रांति के पर्व पर सभी ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि विश्वविद्यालय के लिए दान की। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि बैठक में इस संस्था के पुनरुद्धार के लिए सभी ने एक स्वर में धर्म भावना से धन जुटाने के साथ केंद्र और राज्य सरकार से सामंजस्य स्थापित करके इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने का संकल्प लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अभ्युदय एवं उत्थान के लिए ह्यविश्वविद्यालय विकास समितिह्न का गठन भी किया गया। समिति के स्वरूप और कार्यों को तय करने के लिए जल्द ही उद्यमियों के साथ डीन और अधिकारियों की बैठक होगी। इस दौरान महापौर अशोक तिवारी ने परिसर में हाईमास्ट लाइट लगाने के साथ अन्य सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन दिया। बैठक में आरके चौधरी, अशोक अग्रवाल, आरसी जैन, मनीष तलवार, जयशंकर शर्मा, पवन बुधिया, राजीव माहेश्वरी, वेद अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, रातुल दीवान, राम अवतार अग्रवाल, प्रेम मित्र, अभिनव पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi